CONSENT LETTER

NIMADI FOOD

ABSTRACT

List of consent letter collected for the nomination.

DRONAH

JULY 2025

Consent Letter

S.no	Name	Designation	Association with the craft	Date of Consent
1.	**Mrs Manisha** (Nimad)	Housewife, farmer	Custodian	29 July
2.	**Maai (Daai maa)** (Dhaar, Nimad)	Traditional Birth Attendant and Nourishment Practitioner	Custodian of Nimadi Maternal Food Practices	29 July
3.	**Mr. Kailash sisodhiya** (Dhaar, Nimad)	Traditional Farmer and Cultural Custodian	Custodian of Nimad Cuisine	29 July
4.	**Mrs. Poddar**	Housewife	Makes Nimadi food for her family	May 2025

Consent Letter – 1

(Mrs Manisha - Nimad,Mp)

स्वीकृति पत्र

मैं मध्य प्रदेश के धार ज़िले के निमाड़ क्षेत्र से संबंध रखती हूँ। हमारे क्षेत्र की पाक परंपरा—जिसे निमाड़ी व्यंजन कहा जाता है—हमारी सांस्कृतिक पहचान, परंपरा, और जीवन मूल्यों का एक अमूल्य हिस्सा है।

निमाड़ी खानपान पूरी तरह स्थानीय संसाधनों पर आधारित है। मक्के का रोट्टा, हरी भाजी, सरसों का साग, उड़द की दाल, लस्सी और राबड़ी जैसे व्यंजन न केवल स्वाद में अनोखे हैं, बल्कि ये हमारी मिट्टी, मेहनत और पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे ज्ञान का प्रतीक हैं।

मैंने यह पाक कला अपनी माँ से सीखी और अब अगली पीढ़ी को सौंपी है। यह केवल खाना पकाना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और पहचान का प्रतीक है।

इसलिए, मेरी सरकार से विनम्र अपील है कि **निमाड़ अंचल के पारंपरिक खानपान ज्ञान** को राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया जाए, और आगे इसे **यूनेस्को की प्रतिनिधि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची** में नामांकित किया जाए।

मैं इस प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग देने के लिए तैयार हूँ और अपनी सहमति प्रकट करती हूँ।

सादर,

नाम – मनिषा
हस्ताक्षर – मनिषा
संपर्क – 8718079378
तारीख – 29/07/2025

Consent Letter – 2

(Mr. Kailash sisodhiya– (Dhaar)Nimad,Mp)

स्वीकृति पत्र

मैं, कैलाश सिसोदिया, मध्य प्रदेश के निमाड़ क्षेत्र से हूँ और भील जनजाति से संबंध रखता हूँ। मैं एक ऐसे परिवार से हूँ जहाँ पीढ़ियों से खेती हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा रही है। हमारे जीवन का हर पहलू – भोजन, पर्व, परंपरा – हमारी मिट्टी और खेती से जुड़ा है।

हम अपने खेतों में मक्का, बाजरा, गेहूं, कपास और करेला, गिलकी, मिर्ची, तोरई जैसी पारंपरिक देसी सब्ज़ियाँ उगाते हैं। हमारे भोजन का हर कण हमारे श्रम, भूमि और परंपरा से जुड़ा हुआ होता है। निमाड़ी भोजन हमारे जीवन की सांस्कृतिक धरोहर है—यह केवल भोजन नहीं, बल्कि हमारी पहचान और आत्मा है।

निमाड़ क्षेत्र के पारंपरिक व्यंजनों में मक्के का रोट्टा, हरी भाजी, उड़द की दाल, राबड़ी, सरसों का साग, और घर में जमे हुए दही का विशेष स्थान है। ये व्यंजन हमें हमारे पूर्वजों से विरासत में मिले हैं, और आज भी हमारी रसोई और जीवन में जीवंत हैं।

मैं सरकार से निवेदन करता हूँ कि निमाड़ अंचल के पारंपरिक खानपान एवं पाक परंपराओं को भारत की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में सम्मिलित किया जाए, और इसे यूनेस्को की प्रतिनिधि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में नामांकित करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएँ।

मैं इस प्रक्रिया में अपनी पूर्ण सहमति और संपूर्ण सहयोग प्रदान करता हूँ।

सादर,

नाम – कैलाश सिसोदिया
हस्ताक्षर – कैलाश
संपर्क – 9993394219
तारीख – 29/07/2025

Consent Letter – 3
(Maai(Daai maa) - (Dhaar)Nimad,Mp)

स्वीकृति पत्र

मैं मध्य प्रदेश के धार ज़िले के निमाड़ क्षेत्र से संबंध रखती हूँ। हमारे क्षेत्र की पाक परंपरा—जिसे निमाड़ी व्यंजन कहा जाता है—हमारी सांस्कृतिक पहचान, परंपरा, और जीवन मूल्यों का एक अमूल्य हिस्सा है।

निमाड़ी खानपान पूरी तरह स्थानीय संसाधनों पर आधारित है। मक्के का रोट्टा, हरी भाजी, सरसों का साग, उड़द की दाल, लस्सी और राबड़ी जैसे व्यंजन न केवल स्वाद में अनोखे हैं, बल्कि ये हमारी मिट्टी, मेहनत और पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे ज्ञान का प्रतीक हैं।

मैंने यह पाक कला अपनी माँ से सीखी और अब अगली पीढ़ी को सौंपी है। यह केवल खाना पकाना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और पहचान का प्रतीक है।

इसलिए, मेरी सरकार से विनम्र अपील है कि **निमाड़ अंचल के पारंपरिक खानपान ज्ञान** को राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया जाए, और आगे इसे **यूनेस्को की प्रतिनिधि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची** में नामांकित किया जाए।

मैं इस प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग देने के लिए तैयार हूँ और अपनी सहमति प्रकट करती हूँ।

सादर,

नाम – अन्तर बाई सिसोदिया
हस्ताक्षर – अंतरबाई
संपर्क – 8718079378
तारीख – 29/07/2025

Consent Letter – 1

(Mrs Poddar -Burhanpur,Mp)

It is our humble request to the government to encourage the transmission of the knowledge of the local cuisine from the Nimad region. We will provide all kinds of support for it.

I have learned to cook from my mother and have passed this knowledge down to my children. The practice reflects the identity, history, and values of our community.

Through my life, I have witnessed the importance of passing down this knowledge of local cuisine from generation to generation and promoting its appreciation both locally and internationally.

We give our consent to take all the necessary measures to include the same in the national list of intangible cultural heritage, as well as for the further nomination to the representative list of UNESCO intangible cultural heritage.

Sincerely,

M Poddar

[Signature and Date]